दैनिक भास्कर

25/11/16

टोंक भास्कर

केंद्रीय भेड़ अनुसंधान संस्थान में पंचवर्षीय समीक्षा में की समस्याओं पर की चर्चा

ऐसी तकनीकें विकसित करने पर विचार किया जो किसानों को लाभदायक साबित हों और उनकी आय बढ़े

मालपुरा । केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा गठित पंचवर्षीय समीक्षा समिति की दो दिवसीय बैठक गुरूवार को संपन्न हुई। समिति अध्यक्ष पूर्व उपमहानिदेशक पशु विज्ञान की मौजूदगी में आयोजित समीक्षा बैठक में संस्थान द्वारा बीते पांच सालों किए गए तमाम काम काज व अनुसंधानों की समीक्षा की गई। संस्थान की उपलब्धियां पशुपालकों भेड़ पालकों के लिए कितनी उपयोगी रही इस पर आंकड़ों सहित तथ्यों पर चर्चा की गई। समिति अध्यक्ष डॉ. मदान व संस्थान निदेशक डॉ. एस एम के नकवी सहित सभी सदस्यों ने संस्थान चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं का अवलोकन किया। डॉ. मदान ने संस्थान में किए कार्यों की प्रशंसा की व वैज्ञानिकों को आह्वान किया कि वे जो भी कार्य करें उसे चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए अपना स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि वे ऐसी तकनीकें विकसित करें जो किसानों को लाभदायक साबित हो उनकी आय बढ़े। इस अवसर पर उन्होंने प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया । पीआर प्रभारी प्राचार्य वैज्ञानिक डॉ. रमेश चंद शर्मा ने बताया कि इसी दौरान संस्थान में विकसित की गई मेढ़ों की नई नस्लों का वितरण किया गया । समिति सचिव डॉ. चंद्र प्रकाश स्वर्णकार ने बताया कि समिति द्वारा बीते पांच सालों में के काम काज के अवलोकन के लिए समिति गठित की गई । कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य वैज्ञानिक एवं प्रभारी पीएमई डॉ. ए के सिंधे ने किया । इससे पूर्व समिति सदस्य डॉ. के टी संपत व डॉ. एन कौन्डैया , डॉ. बी एस बिरथल ने भी संबोधित किया ।

मालपुरा. समीक्षा बैठक में आगामी योजना पर चर्चा की गई।

मालपुरा . डॉ. एम एल मदान व निदेशक ने नई नस्लों का अवलोकन किया।

25/11/16